जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 14 संख्याः 149 प्रभात चूरू, सोमवार 26 सितम्बर, 2022 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

अशोक गहलोत की जादूगरी का अंतिम पत्ता भी फेल हुआ

सोनिया गांधी ने पर्यवेक्षकों को निर्देश दिये कि, वे सभी विधायकों से वन-टू-वन बात करें और उसके पश्चात ही दिल्ली लौटें

- इस्तीफा पॉलिटिक्स के बीच कांग्रेस आलाकमान सख्त हुआ।
- कांग्रेस आलाकमान बिल्कुल भी खुश नहीं है, क्योंकि बिना विधायक दल की बैठक हुए ही विधायकों ने जिस तरह से कांग्रेस आलाकमान को आंख दिखाने का प्रयास किया है, वह बिल्कुल भी सही नहीं माना जा सकता।
- कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कह दिया है कि, राजस्थान को लेकर प्रस्ताव आज रात ही पारित होना है, इसके लिए विधायकों से वन-टू-वन बातचीत की जाये।

जयपुर, 25 सितम्बर। राजस्थान में तेजी से बदलते घटनाक्रम तथा कांग्रेस विधायकों की इस्तीफे की पॉलिटिक्स हो रही है। दूसरी ओर विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी के निवास से निकलकर शांति धारीवाल, प्रताप सिंह खाचरियावास, महेश जोशी और संयम लोढ़ा मुख्यमंत्री निवास पहुंचे हैं। जहां मौजूद प्रभारी अजय माकन और मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट भी मौजूद है।

इस बीच खबर यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कह दिया है कि राजस्थान को लेकर प्रस्ताव आज ही पारित होना है और इसके लिए विधायकों से वन टू वन बातचीत की जाए। ऐसे में अब मल्लिकार्जुन खड़गे और अजय माकन रात को ही विधायकों से चर्चा कर सकते हैं, ताकि सभी की राय सामने आ सके। इसके बाद में दोनों नेता कांग्रेस आलाकमान यानी कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को यह बात बताएंगे और फिर जो भी फैसला होगा,वह निकल कर सामने आएगा।

दूसरी ओर जिस तरह से घटनाक्रम राजस्थान में हुआ है उसे लेकर बताया जा रहा है कि कांग्रेस आलाकमान बिल्कुल भी खुश नहीं है, क्योंकि बिना विधायक दल की बैठक हुए ही विधायकों ने जिस तरह से कांग्रेस आलाकमान को आंख दिखाने का प्रयास किया है, वह बिल्कुल भी सही नहीं माना जा सकता।

राहुल गांधी भी इस मामले को लेकर भारत जोड़ो यात्रा में चलते हुए पल-पल की अपडेट ले रहे हैं। यही कारण है कि एक बार जहां पर्यवेक्षक मलिकर्जुन खड़गे और प्रभारी अजय माकन को दिल्ली पहुंचने के लिए कहा गया था, वहीं अब उन्हें जयपुर में रहकर विधायकों के साथ बात करके उनकी राय जानने के लिए कहा है। इधर देखना यह भी है की इस पूरे घटनाक्रम के बाद क्या आलाकमान अशोक गहलोत को कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए आगे बढ़ाएगा। वही क्या अब इस पूरे घटनाक्रम के बाद में राजस्थान विधायक दल के नेता का फैसला आसानी से हो पाएगा, या फिर कोई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भगत सिंह

नई दिल्ली, 25 सितंबर (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चंडीगढ़ हवाई अड्डे का नाम शहीद भगत सिंह के नाम पर रखने की आज घोषणा की।

मोदी ने आकाशवाणी पर प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 93 वीं कड़ी में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि हमारे पास 28 सितम्बर को सेलिब्रेट करने की एक और वजह भी है। उन्होंने कहा जानते हैं क्या है ! मैं सिर्फ दो शब्द कहूँगा लेकिन मुझे पता है, आपका जोश चार गुना ज्यादा बढ़ जाएगा। ये दो शब्द हैं- सर्जिकल स्ट्राइक। बढ़ गया ना जोश ! हमारे देश में अमृत महोत्सव का जो अभियान चल रहा है उन्हें हम पूरे मनोयोग से सेलिब्रेट करें, अपनी खुशियों को सबके साथ साझा करें।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चंडीगढ़ हवाई अड्डे का नाम शहीद भगत सिंह के नाम पर रखने की घोषणा की।

मोदी ने कहा कि आज से तीन दिन बाद 28 सितम्बर को अमृत महोत्सव का एक विशेष दिन आ रहा है। इस दिन भारत माँ के वीर सपूत भगत सिंह की जयंती है। भगत सिंह की जयंती के ठीक पहले उन्हें श्रद्धांजलि स्वरुप एक महत्वपूर्ण निर्णय किया गया है। यह तय किया है कि चंडीगढ़ एयरपोर्ट का नाम अब शहीद भगत सिंह के नाम पर रखा जाएगा। इसकी लम्बे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी।

उन्होंने कहा मैं चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा और देश के सभी लोगों को इस निर्णय की बहुत-बहुत बधाई देता हूँ। प्रधानमंत्री ने कहा कि अपने स्वतंत्रता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस आलाकमान को सीधे चुनौती, या तो हमारी बात सुनो या इस्तीफे मंजूर करो

अशोक गहलोत समर्थक विधायकों ने विधायक दल की बैठक का किया बहिष्कार, धारीवाल के घर बैठक करके इस्तीफा देने पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष के घर

- क्या चुनौती देने वालों पर कार्यवाही होगी या फिर आलाकमान झुकेगा।
- यह घटनाक्रम क्या मध्यावधि चुनाव की ओर जा सकता है।
- कुछ विधायकों के इस्तीफे भी सामने आये हैं, लेकिन अभी यह पुष्टी नहीं हो पायी है कि, उनमें से कितने इस्तीफों पर हस्ताक्षर हैं अथवा नहीं।
- गहलोत और पायलट भी दिल्ली तलब किये गये।

जयपुर, 25 सितम्बर। राजस्थान से कांग्रेस आलाकमान को सीधी चुनौती मिल गई है और अशोक गहलोत समर्थक विधायकों ने आलाकमान के फैसले से पहले ही इस्तीफे की धमकी पर अमल शुरू करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी के निवास पर पहुंचना शुरू कर दिया है। अब देखना यह है कि कांग्रेस आलाकमान इस धमकी से कैसे नहीं निपटता है, क्योंकि यदि कांग्रेस आलाकमान विधायकों की इस धमकी के आगे झुक जाता है,तो फिर राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। इस बीच कांग्रेस विधायक दल की बैठक रद्द कर दी गई और प्रभारी अजय माकन तथा मल्लिकार्जुन खड़गे को वापस दिल्ली बुला लिया गया है। इसी के साथ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट को भी दिल्ली बुलाया गया है।

अब देखना यह भी है कि इस बगावत या चुनौती को कांग्रेस आलाकमान किस रूप में देखता है। क्या इसके पीछे नेतृत्व करने वाले नेताओं पर आलाकमान कार्यवाही करता है या फिर झुकता है। यदि कांग्रेस आलाकमान कार्यवाही करता है,तो यह संदेश जाएगा कि पार्टी आलाकमान किसी भी तरह की चुनौती को स्वीकार नहीं करेगा। यदि इस कार्यवाही को देखते हुए आलाकमान झुकता है और इन विधायकों की धमकी के अनुरूप फैसला करता है,तो संदेश जाएगा कि वास्तव में जो कहा जा रहा था कि कांग्रेस आलाकमान कमजोर है, उस बात पर भी मुहर लग जाएगी। दूसरी और अंदेशा जताया जा रहा है कि जिस तरह से अशोक गहलोत खेमे की ओर से इस्तीफा देकर दबाव की राजनीति पर काम किया जा रहा है। इसी तरह से दूसरा खेमा भी इसी तरह की कार्यवाही कर सकता है, यदि उनके हिसाब से फैसला नहीं हुआ। ऐसे में राजस्थान में इस्तीफा की इन धमकियों के बीच मध्यावधि चुनाव की स्थिति भी बन सकती है।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद भाजपा को भी कांग्रेस आलाकमान और राहुल गांधी पर उंगली उठाने का मौका मिल जाएगा, क्योंकि एक और तो राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा कर रहे हैं। दूसरी ओर कांग्रेस आलाकमान के निर्देश पर बुलाई गई कांग्रेस विधायक दल की बैठक से अलग बैठक करके विधायक सीधे इस्तीफे की धमकी देते हैं और उसके बाद में वे उस पर अमल करते हुए विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी के निवास पर पहुंच जाते हैं।

दरअसल पिछले पांच दिन से यह घटनाक्रम शुरू हो चुका था, जब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत दिल्ली पहुंचे थे और उसके बाद वे कोच्चि में राहुल गांधी से मिलने पहुंचे थे। उस दौरान ही संकेत मिल गए थे, जब वे सोनिया गांधी से मिलकर वापस आए थे। बताया जाता है कि सोनिया गांधी से मिलने के बाद वे कोच्चि पहुंचे थे और कोच्चि में उन्हें संदेश मिल गया था कि वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद में कांग्रेस अध्यक्ष पद का नामांकन दाखिल करेंगे। साथ ही यह संकेत भी मिलने लगे थे कि कांग्रेस हाईकमान की ओर से हरी झंडी मिल चुकी थी कि अशोक गहलोत के इस्तीफे के बाद कांग्रेस विधायक दल का अगला नेता कौन होगा। ऐसे में तभी से दोनों और रणनीति बनने लगी थी और इसी के अनुरूप कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी। तभी नए घटनाक्रम के तहत मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर फोन करके मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समर्थक मंत्री - विधायको को बुलाया गया। मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर करीब 3 घंटे तक विधायकों की बैठक के बाद में कहा जा रहा था कि सभी विधायक एक बस में बैठकर विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री निवास जाएंगे।

विधायक दल की बैठक शुरू होती, इससे पहले ही कई बार बैठक का समय बदलता रहा। इस बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रभारी महासचिव अजय माकन तथा पर्यवेक्षक बनाए गए वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलने होटल पहुंचते हैं और एक संक्षिप्त बैठक के बाद में अशोक गहलोत सरकारी निवास सिविल लाइन पहुंचते हैं। उसके बाद में सचिन पायलट तथा उनके साथ अन्य विधायक भी मुख्यमंत्री निवास पर विधायक दल की बैठक के लिए पहुंचते हैं। कुछ विधायकों के इस्तीफे भी सामने आये हैं, लेकिन अभी यह पुष्टी नहीं हो पायी है कि, उनमें से कितने इस्तीफों पर हस्ताक्षर हैं अथवा नहीं।

वहीं दूसरी ओर शांति धारीवाल के निवास पर बैठक के बाद में लगभग 70 विधायक सीधे विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी के सरकारी निवास पर पहुंचते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जबरन धर्म परिवर्तन

हुबली, 25 सितंबर (वार्ता)। कर्नाटक विधानसभा में धर्मांतरण विरोधी विधेयक पारित होने के कुछ दिनों बाद राज्य के हुबली में एक दलित व्यक्ति के जबरिया धर्मांतरण का मामला सामने आया है और पुलिस ने 12 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि मांड्या निवासी श्रीधर गंगाधर को कथित तौर पर जबरन इस्लाम धर्म में शामिल कर उसका खतना करने और बीफ खाने के लिए मजबूर किया गया। पुलिस ने 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, लेकिन अभी इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

- हुबली (कर्नाटक) में एक दलित व्यक्ति के जबरन इस्लाम में धर्मांतरण का मामला सामने आया है और पुलिस ने 12 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

उन्होंने बताया कि आरोपियों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओमप्रकाश चौटाला की रैली में थर्ड फ्रंट की झलक दिखी

नीतीश, शरद पवार, येचुरी, सुखबीर सिंह बादल सहित कई प्रमुख नेता फतेहाबाद में एक मंच पर नज़र आए

- रैली में एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा, किसानों ने एक साल तक दिल्ली की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन सरकार ने उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कोई कदम नहीं उठाया। किसानों से वादा किया गया था कि, मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एम.एस.पी.) मुहैया कराई जायेगी, लेकिन दिया नहीं गया।
- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, पिछले चुनावों के दौरान, वे (भाजपा) हमारे उम्मीदवारों को हराने की कोशिश कर रहे थे। केंद्र ने पिछड़े राज्य के लिए जो वादा किया था, उसे पूरा नहीं किया। बिहार में आज 7 पार्टियां एक साथ काम कर रही हैं।

फतेहाबाद, 25 सितम्बर। इंडियन नैशनल लोक दल (आई.एन.एल.डी.) की रविवार को फतेहाबाद एक बड़ी रैली आयोजित हुई। यह रैली लोकसभा चुनाव 2024 के मायने में अहम है। क्योंकि इसे गैर कांग्रेस थर्ड फ्रंट के नजरिये से देखा जा रहा है। इस पर एक ही मंच पर नेता लामबंद नजर आए। 11 राज्यों के वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं ने हिस्सा लिया। इस रैली में शामिल होने के लिए एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार, जेडीयू नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, आर.जे.डी. नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, (शिरोमणी अकाली दल (एस.ए.डी.) के सुखबीर सिंह बादल और सी.पी.एम. के सीताराम येचुरी, इण्डियन नैशनल कांग्रेस के ओ.पी. चौटाला एक ही मंच पर नजर आए। सभी नेताओं ने एक स्वर में वर्तमान भाजपा सरकार की कड़े शब्दों में निंदा की।

एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा, किसानों ने एक साल तक दिल्ली की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन किया लेकिन सरकार ने उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कोई कदम नहीं उठाया। किसानों से वादा किया गया था कि मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एम.एस.पी.) मुहैया कराया जाएगा लेकिन दिया नहीं गया। सरकार ने किसानों के खिलाफ दर्ज मामले वापस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गहलोत ने कहा - अगला सी.एम. वो नेता हो जो सरकार रिपीट करा सके

दूसरी ओर धारीवाल के निवास पर गहलोत समर्थक विधायकों की बैठक और धमकी - उनकी बात नहीं मानी तो सरकार गिर सकती है

- 50 से ज्यादा विधायक पहुंचे धारीवाल के निवास पर, अधिकांश ने आलाकमान के साथ होने की बात कही।
- दूसरी ओर गहलोत खेमा छोड़ चुके राजेंद्र गुढ़ा का बयान, धारीवाल के निवास पर 101 विधायक नहीं है, ऐसे में क्या सरकार अल्पमत में नहीं आ गई।
- मीडिया में कुछ विधायकों के इस्तीफे की चर्चायें चल रही हैं, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी की ओर से इस बारे में कोई बयान सामने नहीं आया है।

जयपुर, 26 (का.सं.) । कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने से पहले इस्तीफे की तैयारी के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार की दोपहर जैसलमेर में कहा कि अगला सी.एम. वो नेता हो जो प्रदेश में सरकार रिपीट करा सके। गहलोत ने कहा कि सी.एम. के चयन के लिए विधायक दल की बैठक बुलाना और हाईकमान पर फैसला छोड़ने की परंपरा रही है। यही कांग्रेस की ताकत रही है। मैं कई पदों पर रह चुका हूं, अब नई पीढ़ी को चांस मिलना चाहिए। दूसरी ओर गहलोत के इस बयान के बाद विधायक दल की बैठक से पहले मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर ना सिर्फ गहलोत समर्थक मंत्री विधायकों की बैठक बुलाई गई बल्कि गहलोत समर्थक निर्दलीय संयम लोढ़ा की ओर से उनकी बात नहीं सुनी जाने पर सरकार गिरने तक की धमकियां दी गई।

इस बीच विधायक दल की बैठक से पहले राजस्थान के प्रभारी महासचिव अजय माकन और राजस्थान के लिए पर्यवेक्षक बनाए गए वरिष्ठ नेता मलिकर्जुन खड़गे जयपुर पहुंच गए। बताया जाता है कि दोनों नेता पार्टी आलाकमान का संदेश विधायक दल की बैठक में सबके सामने रखेंगे। उसके बाद में विधायक दल के नए नेता के चुनाव के लिए एक लाइन का प्रस्ताव आलाकमान के नाम पारित करके दे दिया जाएगा।

इधर धारीवाल के निवास पर हो रही बैठक को लेकर चर्चा है कि एक ओर तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आलाकमान के विश्वस्त होने का हवाला देते हुए तथा वफादारी दिखाते हुए बयान दे रहे हैं। दूसरी ओर उनके नजदीकी विधायक और मंत्री आलाकमान को आंखें दिखाने की बात कर रहे हैं। हालांकि पहले की बनी स्थितियों के विपरीत इस बार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ रहे 102 विधायकों में से कई विधायकों ने उनका साथ छोड़ दिया है। जिनमें प्रमुख रूप से राजेंद्र गुढ़ा, खिलाड़ी लाल बैरवा, गिर्राज सिंह मलिंगा, वीरेंद्र सिंह सहित अन्य विधायक शामिल है। ऐसे में बात की जाए तो बहुमत का आंकड़ा मुख्यमंत्री खेमे के पास भी नहीं बचा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) का कार्डधारकों को अपने कार्ड्स का टोकनाइज़ेशन कराने हेतु प्रोत्साहन

कार्डधारकों के हितों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, आरबीआई ने आदेश दिया है कि 1 अक्तूबर 2022 से कार्ड नेटवर्क्स तथा कार्ड जारीकर्ताओं को छोड़कर, कोई दूसरी इकाइयां कार्ड डेटा जैसे कि कार्ड नंबर, कार्ड की एक्सपायरी की तिथि आदि (कार्ड-ऑन-फाइल या CoF) को स्टोर नहीं कर सकती हैं। साथ ही, यह सुनिश्चित करने के लिए कि कार्डधारकों को कोई असुविधा न हो, आरबीआई ने CoF टोकनाइज़ेशन पेश किया है। टोकनाइज़ेशन इसलिए किया जाता है ताकि कार्डधारक को प्रत्येक ट्रांजेक्शन पर कार्ड के विवरण न भरने पड़ें, साथ ही, मर्चेन्ट कार्ड के विवरण को स्टोर या उनका इस्तेमाल न कर सके, जिसके फलस्वरूप कार्ड के विवरणों के खोने की संभावना तथा उससे जुड़े दुरुपयोग से बचा जा सकता है। टोकन का इस्तेमाल कार्ड ट्रांजेक्शन्स की सुरक्षा और सुविधा को बढ़ाता है तथा यह कार्डधारकों के हित में है।

टोकनाइज़ेशन या कार्ड-ऑन-फाइल (CoF) टोकनाइज़ेशन क्या है?

1. टोकनाइज़ेशन (या CoF टोकनाइज़ेशन) कभी भी अपनी सुविधा के अनुसार किया जा सकता है।
2. टोकनाइज़ेशन डेबिट या क्रेडिट कार्ड के विवरण को एक अनोखे वैकल्पिक कोड, जिसे **''टोकन''** कहते हैं, से बदलने की प्रक्रिया है।
3. टोकनाइज़ेशन केवल ऑनलाइन/ई-कॉमर्स ट्रांजेक्शन्स के लिए विनिर्धारित किया गया है और यह आमने-सामने या पॉइन्ट ऑफ सेल (POS) ट्रांजेक्शन्स के लिए नहीं है।
4. टोकनाइज़ेशन प्रत्येक कार्ड के लिए ऑनलाइन/ई-कॉमर्स मर्चेन्ट के यहां केवल एक बार ही करने की ज़रूरत है। कार्ड विशेष तथा ऑनलाइन/ई-कॉमर्स मर्चेन्ट विशेष के लिए प्रत्येक टोकन अलग होता है। कार्डधारक किसी कार्ड का अनगिनत ऑनलाइन/ ई-कॉमर्स मर्चेन्ट्स के साथ टोकनाइज़ेशन करा सकता है।
5. किसी टोकन का इस्तेमाल उसी मर्चेन्ट को भुगतान करने के लिए किया जा सकता है, जिसके लिए उसे बनाया गया हो, न कि किसी और मर्चेन्ट को भुगतान करने के लिए।
6. एक बार टोकन बनाने के बाद, कार्डधारक को भविष्य के ट्रांजेक्शन्स के लिए टोकन का विवरण एंटर करने या याद रखने की जरूरत नहीं। टोकनाइज़्ड कार्ड की पहचान के लिए, चेकआउट प्रक्रिया के दौरान कार्ड के अंतिम चार अंकों को डिस्प्ले/प्रदर्शित किया जाएगा।
7. कार्डधारक अपनी इच्छानुसार अपने टोकन्स के रजिस्ट्रेशन को समाप्त भी कर सकते हैं।

किसी कार्ड का टोकनाइज़ेशन कैसे करें?

1. टोकनाइज़ेशन का विकल्प चुनने के लिए कार्डधारक को मर्चेन्ट वेबसाइट एप्लिकेशन पर वन-टाइम रजिस्ट्रेशन करना होगा।
2. रजिस्टर करने के लिए कार्डधारक को अपने कार्ड का विवरण भरना होगा तथा सहमति देनी होगी। कार्ड जारीकर्ता प्रमाणीकरण के अतिरिक्त घटक जैसे कि OTP के ज़रिए इस सहमति को मान्य करेगा।

कार्डधारकों को एक सुरक्षित, संरक्षित, बाधारहित तथा सुविधाजनक अनुभव पाने के लिए अपने कार्ड्स का टोकनाइज़ेशन कराने की सलाह दी जाती है।

इस परामर्शिका (एडवाइज़री) को आरबीआई द्वारा केवल सूचनार्थ तथा सामान्य मार्गदर्शन के लिए जारी किया गया है। किसी स्पष्टीकरण या व्याख्या के लिए, आरबीआई द्वारा जारी संबंधित परिपत्रों तथा अधिसूचनाओं की मदद ली जा सकती है।